

जल शक्ति मंत्रालय



जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने जल/वाँश वॉरियर्स और स्कूली छात्रों से बातचीत की; 25 जलज आजीविका केन्द्रों का उद्घाटन किया

प्रविष्टि तिथि: 28 JAN 2026 2:47PM by PIB Delhi

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल के नेतृत्व में जल शक्ति मंत्रालय एक खास संवाद कार्यक्रम के ज़रिए देश भर के वाँश वॉरियर्स और स्कूली छात्रों के साथ नई दिल्ली में पीएसओआई में जल संरक्षण के लिए बदलाव की आवाज़ों और युवा चैंपियंस को एक साथ लाया। इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी और श्री वी. सोमन्ना, सचिव, डीओडब्ल्यूआर, आरडी और जीआर श्री वी.एल. कंथा राव और महानिदेशक, एनएमसीजी श्री राजीव मित्तल, साथ ही एनएमसीजी के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।



इस कार्यक्रम में देश भर से ज़मीनी स्तर के बदलाव लाने वाले लोग एक साथ आए, जिन्होंने नदी में नये सिरे से जान डालने, पीने के पानी और साफ़-सफाई से जुड़े प्रयासों में जन भागीदारी की भावना का उदाहरण पेश किया।

वाँश वॉरियर्स, सामुदायिक प्रतिनिधियों और स्कूली छात्रों के साथ संवाद

कार्यक्रम की शुरुआत एक इंटरैक्टिव संवाद सत्र से हुई, जिसके दौरान वाँश वॉरियर्स, सामुदायिक प्रतिनिधियों और अलग-अलग राज्यों के स्कूली छात्रों ने अपने ज़मीनी अनुभव और पहलों को साझा किया। प्रतिभागियों ने गांवों और स्कूलों में गंगा को साफ़ रखने, प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने, बायोडायवर्सिटी को बचाने और पानी के स्रोतों की सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने के अपने प्रयासों पर ज़ोर दिया।

उन्होंने नदी के किनारे सफाई अभियान, इकोलॉजिकल निगरानी, पौधारोपण, जागरूकता अभियान और गांव के स्तर पर ज़िम्मेदार पर्यावरणीय कार्य प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर काम करने के अनुभव साझा किए। कई प्रतिभागियों ने जल जीवन मिशन के बदलाव लाने वाले प्रभाव के बारे में बात की, और बताया कि कैसे हर घर जल ने स्वास्थ्य, सम्मान और जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है।



स्कूली छात्रों ने भी अपने अनुभव साझा किए, और बताया कि वे स्कूल द्वारा चलाए जा रहे सफाई अभियान, पेड़ लगाने की गतिविधियों, पानी बचाने के तरीकों, रैलियों, रचनात्मक कार्यक्रमों और साथियों को जागरूक करने की पहलों के ज़रिए नदी संरक्षण और पानी के बारे में जागरूकता फैलाने में कैसे योगदान दे रहे हैं। छात्रों ने अपने परिवारों और समुदायों में साफ नदियों और ज़िम्मेदारी से पानी इस्तेमाल करने का संदेश फैलाने में बदलाव लाने वाले एजेंट के तौर पर अपनी भूमिका पर जोर दिया। छोटे बच्चों की भूमिका को पहचानते हुए, मंत्री ने कहा कि वे हमारे देश का भविष्य हैं और आने वाले वर्षों में देश की तरक्की में बहुत अहम भूमिका निभाने वाले हैं।



25 जलज आजीविका केन्द्रों का उद्घाटन

कार्यक्रम के दौरान, मंत्री ने 25 जलज आजीविका केन्द्रों का उद्घाटन किया, जो नमामि गंगे मिशन और वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) की एक संयुक्त पहल है। इसका मकसद गंगा नदी बेसिन में नदी संरक्षण को स्थायी आजीविका के साथ जोड़ना है। यह पहल संरक्षण प्रयासों में समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देती है, साथ ही सम्मानजनक आजीविका के अवसर भी पैदा करती है, जिसमें महिलाओं की भागीदारी पर विशेष ध्यान दिया गया है।



यूथ फॉर गंगा, यूथ फॉर यमुना की शुरुआत

मंत्री ने इको रूट्स फाउंडेशन के एजुकेशनल आउटरीच प्रोग्राम और "यूथ फॉर गंगा - यूथ फॉर यमुना" परियोजना की शुरुआत की। इस पहल का केन्द्र युवाओं - हमारे भविष्य - को नदी संरक्षण के प्रयासों में शामिल करना है। उन्होंने खुशी जताई कि दिल्ली के स्कूलों के छात्र, शिक्षक और प्रधानाचार्य इस शुरुआत में शामिल हुए। यह अभियान पूरे दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में फैलने वाला है, जिसका मकसद छात्रों को गंगा और यमुना नदियों से भावनात्मक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय रूप से जोड़ना है, ताकि नदी संरक्षण में जागरूकता और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा मिल सके।

सभा को संबोधित करते हुए, श्री सी.आर. पाटिल ने सभी जल प्रहरियों को जल संरक्षण, स्वच्छता और गंगा पुनर्जीवन के क्षेत्रों में उनके निरंतर और समर्पित योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं, और जमीनी स्तर पर उनके लगातार प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, जल प्रहरी पहल जनभागीदारी की भावना को मजबूत कर रही है, जिसमें समुदाय के सदस्य प्रतिबद्धता, लगन और निरंतरता के साथ इस राष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं।

मंत्री ने स्कूल के छात्रों, महिलाओं और यमुना टास्क फोर्स के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी पर भी गर्व व्यक्त किया, जल संरक्षण और स्वच्छता के लिए इस जन आंदोलन के प्रति उनके समर्पण और निष्ठा को स्वीकार किया, और समुदाय स्तर पर जागरूकता फैलाने और जिम्मेदार पर्यावरणीय कार्य प्रणालियों को प्रोत्साहित करने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला।



मंत्री ने नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (एनएमसीजी) के लगातार प्रयासों को भी सराहा और कहा कि केन्द्रित और लगातार दखल से गंगा की सफाई और इकोलॉजिकल हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद मिली है।

इस कार्यक्रम ने नदी को फिर से ज़िंदा करने, पीने के पानी और सफ़ाई से जुड़े राष्ट्रीय लक्ष्यों को पाने में समुदाय और युवाओं की भागीदारी के महत्व को फिर से पक्का किया। जल/वाँश वॉरियर्स, सामुदायिक प्रतिनिधियों, गंगा प्रहरियों और स्कूली छात्रों के साथ बातचीत करके और उन्हें सम्मानित करके, मंत्री ने उनके योगदान को पहचाना और राष्ट्रीय विकास प्रयासों में लोगों की भागीदारी की केन्द्रीय भूमिका को मज़बूत किया।

पीके/केसी/केपी

(रिलीज़ आईडी: 2219654) आगंतुक पटल : 155

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu , Gujarati